बृहस्पतिवार
16 मई 2024

पृष्ठ 4
पेट में जलन को शांत करने के लिए करें...

पृष्ठ 5
आगामी फिल्म टिप्सी को लेकर बेहद...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 106
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

रंग इसलिए हैं कि जीवन की एकरसता दूर हो सके और इसलिए भी कि हम सादगी का मूल्य पहचान सकें।

– मुक्ता

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

यात्रा व्यवस्था सुधारने में जुटा प्रशासन

सभी धामों में मोबाइल फोन बैन

विशेष संवाददाता

देहरादून। अव्यवस्थाओं के भंवर में फंसी चार धाम यात्रा को सुचारू संचालित करने के प्रयास में जुटे प्रशासन द्वारा अब कई तरह के प्रयोग किये जा रहे हैं। यात्रियों को जगह-जगह रोके जाने और गेट सिस्टम से यात्रा कराने से लेकर पंजीकरण और स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ प्रशासन ने धामों में मोबाइल फोन पर बैन लगा दिया है। लेकिन इन प्रयासों से न तो यात्री खुश है और न ही व्यापारी और न तीर्थ पुरोहित और पुजारी।

❑यात्रियों को जगह-जगह रोकने पर आक्रोश
❑यमुना घाटी में व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

चार धाम यात्रा में उमड़ रही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अब पुलिस प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ काम कर रहा है। ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन पर रोक लगाने के साथ-साथ अब सभी यात्रा मार्गों पर चेक पोस्ट बनाकर यात्रियों को रोकने की व्यवस्था की गई है। देहरादून हरिद्वार से लेकर सभी धामों तक 8 से 10 जगह यात्रियों को रोका जा रहा है। बात अगर दून की करें तो इसके लिए नयागांव और हरबर्टपुर में चेक पोस्ट बनाकर यात्रियों को रोका जा रहा है। यमुना घाटी तक कटा पत्थर और बड़कोट तक ऐसे 8 से 10 स्थान है जहां सभी यात्रियों को एक-दो घंटे रोका जा रहा है जिससे धामों में क्षमता से अधिक पहुंचे यात्रियों की वापसी हो सके और अन्य यात्री जा सके। केदारनाथ और बद्रीनाथ में कुछ हद तक हालात सामान्य होने की बात भी कहीं जा रही है लेकिन यात्रा के दौरान बार-बार रोके जाने को लेकर भी यात्री नाराज है। उनका कहना है कि इस तरह यात्रा करने में उनका दोगुना समय और पैसा लग रहा है वहीं ठहरने और हेली बुकिंग व्यवस्था भी गड़बड़ा गई है।

वहीं प्रशासन द्वारा यात्रियों को रोके जाने से स्थानीय व्यापारी व दुकानदार भी परेशान है। उन्होंने आज यमुना घाटी में सड़कों पर उतरकर इसका विरोध किया गया। प्रशासन द्वारा सभी धामों में 200 मीटर के दायरे में मोबाइल फोन ले जाने पर भी बैन लगा दिया गया है। गाजे-बाजे के साथ धाम पहुंचने वाले इन यात्रियों द्वारा धामों में रील बनाने से भी यात्रा बाधित होने की बात कही जा रही है। यात्रियों को जगह-जगह रोके जाने से और फिर छोटे-छोटे समूह में आगे भेजने की व्यवस्था से धामों में यात्रियों का दबाव कम हो रहा है लेकिन यात्रा प्रभावित भी हो रही है। बड़ी संख्या में लोग बिना दर्शन किए ही लौट रहे हैं। सचिव आर.

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

पोती ने ही रची थी दादी की हत्या की साजिश

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। दिन दहाड़े घर में घुसकर हुई बुजुर्ग महिला की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने मृतका की पोती व एक बीबीए के छात्र को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त हथौड़ा व स्कूटी बरामद किया गया है। बुजुर्ग महिला की हत्या का षडयंत्र उसकी पोती ने रचा था जबकि हत्या की घटना को अंजाम बीबीए के छात्र द्वारा दिया गया था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि गंगा सप्तमी के पर्व पर ज्वालापुर क्षेत्रान्तर्गत चाकलान मोहल्ले में दिनदहाड़े बुजुर्ग महिला की हत्या की सूचना पर ज्वालापुर पुलिस मौके पर पहुंची। जानकारी करने पर पता चला कि पेशे से तीर्थ पुरोहित अनुराग शर्मा गंगा सप्तमी के अवसर पर 14 मई को अपने परिवारजनो के साथ पूजा अर्चना के लिए हर की पैड़ी गए हुए थे तथा उनकी बुजुर्ग मां घर पर अकेली थीं। दोपहर के समय चीख पुकार की आवाज सुन पड़ोसी मौके पर पहुंचे तो उन्होंने बुजुर्ग महिला को लहुलुहान हालत में खून से सने फर्श में पाया।

❑मृतका की पोती व बीबीए का छात्र गिरफ्तार

दिनदहाड़े घर में घुसकर बुजुर्ग महिला की हत्या को लेकर स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त हो गया। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

स्लोवाकिया के पीएम पर जानलेवा हमला, सीने और पेट में लगी गोली

नई दिल्ली। यूरोपीय देश स्लोवाकिया के पीएम रॉबर्ट फिको के ऊपर जानलेवा हमला हुआ जिसमें की एक 71 साल के हमलावर ने उनके ऊपर पांच गोलियां चला दीं। हमले के फौरन बाद रॉबर्ट फिको को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां

उनकी सर्जरी चली, माना जा रहा है कि अब उनकी जान खतरे से बाहार है। गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमले की निंदा करते हुए ट्विट किया किया जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री फिको की जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इसके आगे उन्होंने कहा कि हम पीएम रॉबर्ट फिको की इस मुश्किल घड़ी उनके साथ हैं, भारत के लोग स्लोवाकिया के साथ खड़े हैं। पीएम रॉबर्ट फिको के ऊपर हुए हमले को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस हमले की निंदा की है, वहीं रॉबर्ट फिको की जल्द से जल्द ठीक होने की प्रार्थना की। इसके अलावा उन्होंने बताया कि हमारे विदेश मंत्री इस मामले पर अपनी नजर बनाए हुए हैं। पीएम रॉबर्ट फिको के ऊपर हुए हमले को लेकर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि ये जघन्य अपराध है।

'कोर्ट में केस विचाराधीन तो पीएमएलए के तहत अरेस्ट नहीं कर सकती ईडी'

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज ईडी द्वारा की जाने वाली गिरफ्तारी को लेकर अहम फैसला सुनाया है। एक याचिका का निपटारा करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि अगर मनी लॉन्ड्रिंग का केस कोर्ट में विचाराधीन है तो प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तारी नहीं कर सकती। अगर गिरफ्तारी की जरूरत है भी तो जांच एजेंसी संबंधित अदालत से परमिशन मांगे। अगर जांच एजेंसी द्वारा गिरफ्तारी के लिए बताए गए कारणों से अदालत संतुष्ट हुई तो सिर्फ एक बार के लिए आरोपी की हिरासत ईडी को मिलेगी, लेकिन वह गिरफ्तार नहीं कर सकेगी, बल्कि हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद छोड़ना पड़ेगा। याचिकाकर्ता ने पंजाब

हरियाणा हाईकोर्ट के दिसंबर 2023 के एक आदेश को चुनौती दी थी, जिस पर आज सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला याचिका में पूछे गए उस सवाल के जवाब में दिया, जिसमें पूछा गया था कि क्या पीएमएलए एक्ट के तहत दर्ज मामले में किसी आरोपी को उन मामलों में भी जमानत के लिए कड़े दोहरे परीक्षण से गुजरना पड़ेगा, जहां विशेष अदालत अपराध का संज्ञान ले चुकी है। अपराध कोर्ट में विचाराधीन है और सुनवाई चल रही है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि अगर आरोपी कोर्ट में पेश हुआ है तो उसे जमानत याचिका दायर करने की जरूरत नहीं है। केस में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है और उसमें दर्ज आरोपी को कोर्ट ने समन भेजकर बुलाया और वह पेश हो गया तो उसे जमानत मिल जाएगी। उस पर पीएमएलए एक्ट की धारा 45 और उसकी शर्तें लागू नहीं होंगी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने धारा 44 के तहत फैसला सुनाया। पीठ की तरफ से कहा गया कि पीएमएलए एक्ट की धारा 4 के तहत अगर शिकायत पर संज्ञान लिया गया है, तब ईडी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकती है।

दून वैली मेल

संपादकीय

मीडिया जिम्मेवार या प्रशासन

क्या वर्तमान दौर की राजनीति में मीडिया को सत्ता पक्ष के सच को सामने रखने पर डराने धमकाने का काम किया जा रहा है और शासन-प्रशासन अपनी नाकामियों पर पर्दा डालने के लिए पत्रकारों को जेल भेजने और उन पर मुकदमे दर्ज करने का काम कर रहा है इन सवालों के साथ हम कल आए सुप्रीम कोर्ट के उसे फैसले का जिक्र करना जरूर चाहेंगे जिसमें न्यूज क्लिक के संपादक और संस्थापक की गिरफ्तारी को असवैधानिक बताकर प्रवीरपुर कायस्थ को तुरंत रिहा करने के आदेश दिए गए हैं जिन्हे देशद्रोह जैसी गंभीर धाराओं में गिरफ्तार कर 3 अक्टूबर 2023 को जेल में डाल दिया गया था। वही हम उत्तराखंड के पत्रकार गजेंद्र रावत की भी बात करेंगे जिन्होंने केदारनाथ मंदिर में चढ़ाई गई सोने की परत के नकली या मिलावटी होने का मुद्दा उठाया था जिसे लेकर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया तथा एक उस ताजा मामले का उल्लेख भी करेंगे जिसमें चार धाम की तैयारियों को लेकर सवाल उठाने वाले दैनिक भास्कर अखबार के पत्रकार मनमीत पर सरकार ने कल मुकदमा दर्ज कराया है।

सवाल यह है कि क्या इस दौर में पत्रकारिता के मायने सिर्फ सत्ता के यशोगान तक ही सीमित होकर रह गए हैं या करने के प्रयास किया जा रहे हैं? सरकार के खिलाफ या उसकी खामियां उजागर करने वालों पर मुकदमे दायर कर और उन्हें जेलों में डालने का डर दिखाकर क्या संदेश देने की कोशिश शासन- प्रशासन में बैठे लोगों द्वारा की जा रही है यह समझना आज सभी के लिए बेहद जरूरी हो गया है। क्या मनमीत की गिरफ्तारी या उस पर किए गए मुकदमे से चारधाम यात्रा की व्यवस्थाएं चाक चौबन्द हो जाएगी। शासन-प्रशासन को इसके लिए यात्रा की तैयारियों की जमीनी हकीकत समझना भी जरूरी है। अपनी नाराजगी का ठीकरा मीडिया के सर नहीं फोड़ा जा सकता है। पहले ही दिन से इस बात की पुख्ता व्यवस्था क्यों नहीं की गई कि बिना रजिस्ट्रेशन के कोई यात्रा पर नहीं जा सकेगा।

अगर लोग बिना रजिस्ट्रेशन के धामों में पहुंच रहे हैं तो फिर रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था का ही क्या औचित्य रह गए जाता है। हरिद्वार और ऋषिकेश में बैठे ट्रैवल एजेंट अगर गड़बड़ी कर रहे हैं तो उन्हें रोकने की जिम्मेदारी भी प्रशासन की ही है। अधिकारी जब खुद ही मान रहे हैं कि जांच की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में बिना रजिस्ट्रेशन के ही लोग पहुंच गए या उनका पंजीकरण जिस दिन का था उससे पहले ही यात्रा पर आ गए। क्षमता से अधिक यात्रियों के पहुंचने के कारण व्यवस्थाओं का चौपट होना स्वाभाविक ही है। इसके अलावा इस सच से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि यात्रा शुरू होने के बाद भी यात्रा की तैयारियों को पूरा नहीं किया जा सका है। जिसके कारण यात्रियों को जगह-जगह लंबे समय रोका जा रहा है और यात्रियों का पूरा यात्रा शेड्यूल ही खराब हो रहा है उनके द्वारा होटल और हेली की जो बुकिंग कराई गई थी वह उसके समय पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। उनका पैसा और समय दोनों ही बर्बाद हो रहे हैं जो यात्री नियमानुसार यात्रा करने आए हैं उन्हें भी अव्यवस्थाओं के कारण जो दिक्कतें उठानी पड़ रही है उसके कारण उनकी नाराजगी भी स्वाभाविक है।

भले ही प्रशासन द्वारा ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन किसी भी कारण से रोके गए हो लेकिन अचानक लिए गए इस निर्णय के कारण उन यात्रियों पर क्या गुजरी जो हजारों किलोमीटर का सफर करके हरिद्वार तक आए थे और अब रजिस्ट्रेशन न हो पाने के कारण या तो वापस लौट कर जा रहे हैं या फिर 2 दिन हरिद्वार में पड़े रहना उनकी मजबूरी हो गया है। इस सच से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता है कि भारी संख्या में आने वाले यात्रियों के लिए व्यवस्थाएं करना कोई आसान काम नहीं है और न इसकी संख्या का कोई सही अनुमान लगाया जा सकता है। लेकिन हर साल चार धाम यात्रियों की संख्या में हो रही बड़ी बढ़ोतरी के मद्दे नजर शासन-प्रशासन को इस यात्रा की व्यवस्थाओं के लिए अलग प्रशासनिक और प्रबंधन संस्था का ढांचा तैयार करना चाहिए बद्री-केदार समिति के भरोसे चलने वाली इस यात्रा को अब सुचारू रूप से संचालित किया जाना संभव नहीं है।

यात्रा के लिए सरकार यात्रा मार्गो पर स्थाई व्यवस्थाएं विकसित करनी पड़ेगी यात्रा शुरू होने से पहले सड़कों की मरम्मत और पेयजल, स्वास्थ्य, शौचालय की अस्थाई व्यवस्था से अब बात बनने वाली नहीं। सूबे की सरकार चाहती है कि आने वाले समय में इस तरह की अव्यवस्थाओं से दो-चार न होना पड़े तो उसके लिए दूरगामी फैसले लेने ही होंगे।

युजे वां ब्रह्म पूर्व्यं नमोभिर्वि श्लोक एतु पथ्येव सूरेः।
शृण्वन्तु विश्वे अमृतस्य पुत्रा आ ये धामानि दिव्यानि तस्थुः।।

(ऋग्वेद १०-१३-१)

हे पृथ्वी और द्युलोक, नर और नारी ! मैं अपने मन और वाणी को दिव्य वैदिक ज्ञान से संयुक्त करता हूं। यह दिव्य ज्ञान सर्वत्र पहुंचे। इस नश्वर संसार के सभी बच्चे इस ज्ञान को सुनें।

विकास मेरे शहर का!

●नरेन्द्र कठैत

मालूम नहीं इसमें क्या राज छुपा है कि हमारे पूर्वजों ने हमारा, हमने अपने पुत्रों का, पुत्रों ने नातियों का और नातियों ने हमारे पोतों का नाम भी 'विकास' ही रखा है। ऐसा नहीं कि 'विकास' नाम नया है या 'विकास' नाम हमने ही खोजा है। ऐसे ही और घर परिवारों में भी 'विकास' हुआ है, 'विकास' है और ऐसा कदापि नहीं कि आगे 'विकास'नहीं होगा । या यूं क्यों न कहें कि ऐसा कोई हो ही नहीं सकता है जिसका किसी न किसी 'विकास' से कोई नाता नहीं रहा है। क्योंकि 'विकास' होता ही ऐसा है। हमने तो यहां तक देखा है कि आप जहां चाहते हैं 'विकास' वहां नहीं होता है। और जहां जरा भी उम्मीद नहीं करते 'विकास' वहां हो जाता है। कहीं कहीं तो ऐसा भी होता है कि न चाहते हुए भी 'विकास' होता रहता है। जनगणना भी कहती है भई! कि जनसंख्या वृद्धि में भी सबसे बड़ा हाथ 'विकास' का ही होता है। अब उन लोगों को कौन और कैसे समझाएं जो बिना सोचे समझे कह जाते हैं कि 'विकास' कहां है? और 'विकास' होता क्या है? अरे भाई 'विकास' है। और 'विकास' होता है।

बंधुओं! एक बात को और ध्यान में रखना है। 'विकास' को नकार देना बेवजह कलह को बढ़ावा देना है। या यूं भी कह सकते हैं कि 'विकास' को नकारना सरासर लोकतंत्र की हत्या है। इसलिए कोई बिना सोचे समझे, गुस्से या जानबूझकर भी आपके मुंह लगे और आपसे पूछे कि 'विकास' कौन है? 'विकास' कहां है? या 'विकास' क्या है? तो बेवजह अपनी कमीज के आस्तीने ऊपर और कॉलर खड़े न करें। ऐसे मौकों पर एक कर्तव्यनिष्ठ नागरिक की भूमिका में ही रहें।

अभी हाल ही में एक 'विकास' ने अपने पिता से सवाल पूछा 'पिता श्री! गांव की आम पगडडियों को आपने सड़क के साथ किस उम्मीद से जोड़ा है? और आपके आगे एक प्रश्न और खड़ा है कि 'सड़क के नाम पर खेत खलिहानों की तिलांजलि देने का कारण क्या है?'

जानते हो! पिता ने उस नासमझ 'विकास' को क्या जवाब दिया है। पिता ने कहा 'सबसे पहली बात तो ये कि हमने अपने खेत खलिहानों को बेचा नहीं, सड़क ने ही उन्हें हड़पा है। पुत्र! इसे आसान शब्दों में समझना चाहें तो कह सकते हैं कि हमारी ही आंतों को खींचकर ये सड़क लम्बी और हमारे ही पेट को उधाड़कर इसका फाट चौड़ा हुआ है।'

पुत्र ने पिता की ओर अगला सवाल दागा 'लेकिन आप चुप क्यों रहे? सड़क के विरोध में आप और हमारा सारा कुटुंब खड़ा क्यों नहीं हुआ?'

'क्योंकि मेरे पिता जो तब सबके गार्जन थे उन्होंने सबको समझाया है कि हमारे अपने ही पुरखों के बलिदान की भांति ही इन पुश्तैनी खेतों का बलिदान भी हमने 'विकास' की खातिर ही किया है।'

'विकास' इन अप्रत्याशित शब्दों को सुनकर हतप्रद रह गया। उसने सोचा मेरा सारा जेब खर्चा मेरे पिता ही उठाते हैं। दादा तो कभी उसे एक रूपया तक नहीं पकड़ाते हैं। ये तो सरासर गलत है। दादा ने बिना विचारे ही मुझपर ये लांछन मढ़ा है। इसलिए 'विकास' तब से घर से भाग खड़ा हुआ है।

'विकास' का यूं रुठकर भाग जाना भी दादा बर्दाश्त न कर सका है और चल बसा है। विकास का दादा जब श्विकासश के सदमे में चला गया। तो एक दिन श्विकासश के पिता ने कमान सम्भालकर गुस्से में सार्वजनिक रूप से कह ही दिया कि 'इतना त्याग करने के बाद भी अगर 'विकास' हाथ नहीं आ रहा है तो 'विकास' की जो मर्जी कर ले जो उसने उखाड़ना हो वो उखाड़ ले।'

बंधुओं! हो भी तब से यही रहा है। उसकी मर्जी वो जब उठे, उसकी मर्जी वो जब सो रहा है। अब 'विकास' का मन एक जगह नहीं जमता है। वह कभी अनमने, कभी मनमाने ढंग से काम निबटा रहा है। और सवाल उठाने पर देख लेने की धमकी देता है।

किंतु हमारा तो सोचना यह है कि 'विकास' का मन माफिक उठने जागने, उसका किसी भी काम में मन न लगने, अनमने या मनमाने हो जाने में सड़क का दोष क्या है? आज तक किसी भी माई के लाल ने यह नहीं कहा है कि सड़क से हमें कोई फायदा नहीं हुआ है। बता दें! अगर किसी ने कहा है।

'विकास' को गर्व हो न हमे तो है कि सड़क के सहारे ही आज भी हमारा विकास खड़ा हुआ है। और सड़क से बढ़कर ही हर एक के 'विकास' का 'विकास' हुआ है। लेकिन जिसको महसूस होना होता है उनको यह जरूर महसूस होता है कि आम जन की भांति पगडंडी और सड़क के भाग्य में सदियों से तक रौंदा जाना ही लिखा होता है।

'विकास' को आगे ठेलने के लिए जितनी दुर्दशा धरा का यह भाग ढोता है, उससे न किसी को कोई मतलब होता है न कोई कुछ लिखने की ही कोशिश करता है। बस, हर किसी का ध्येय उसे नापकर आगे बढना और उसे पीछे छोड़ना होता है।

कौन कहता है पगडंडी और सड़क को दुख दर्द नहीं होता है? पगडंडी और सड़क धरा का वह अभागा भाग होता है जो दुख दर्द पीड़ा तो महसूस कर सकता है लेकिन वह न कभी कह सकता है और न रो पाता है।

पगडंडी और सड़क से जुड़ा एक कटु सत्य यह भी होता है कि जब भी धरा का यह भाग असह्य पीड़ा के दवाब से फटता है तो इस युग में भी उसका बस एक ही इलाज होता है। वह यह कि उसके घावों को मिट्टी पत्थर से भरकर चारकोल से ढक दिया जाता है। आधुनिकता के इस दौर में भी पगडंडी और सड़क से बड़ा त्याग भला और किसका हो सकता है? सवाल ये भी है कि आखिर पगडंडी और सड़क के हिस्से की संवेदनाओं को क्या हमारा ही श्विकासश खा गया है ?

विडम्बना देखिए पगडंडियों

और सड़कों की दुर्दशा को नंगी आंखों से देखने पर भी हमारी जुबान पर मात्र एक ही रटा रटाया वाक्य होता है कि 'कुछ पाने के लिए कुछ खोना भी होता है।'

लेकिन बहुत कुछ खोने के बाद कुछ पाने की इस चाह में हर कोई जमाने भर की धूल खा रहा है। हर उस धूल में ही नहा रहा है। लेकिन जो धूल हमारे अंदर जा रहा है। वह अंदर ही अंदर उत्पात मचा रहा है। आंखों पर नजर का मोटा चश्मा लगता जा रहा है। नाक, कान, गला बंद हो जा रहा है। फेफड़ा सांस नहीं भर पा रहा है। हमारे पेट में आखिर मर्ज क्या है वह मशीनों की भी पकड़ में नहीं आ रहा है। यह सब किसी न किसी 'विकास' का ही तो करा धरा है ।

लोग कहते हैं 'अब बीमारी पहले से दुगुनी बढ़ गई है। क्योंकि 'विकास' के साथ अब 'प्रगति' भी जुड़ गई है।'

किसी ने कहा 'विकास' की नाकामी में 'प्रगति' को मत घसीटिए! चिंता करनी है तो श्विकासश की कीजिए!

ये किसने कहा कि हम 'विकास' की चिंता नहीं करते? अब पहाड़ की छाती पर पसरे 'पौड़ी' शहर को ही देख लीजिए! कौन ऐसा डाक्टर है जिसको हम अपनी नब्ज नहीं दिखाते? कौन सा इलाज है जो हम नहीं करते? कौन सी ऐसी दवा है जो हम नहीं खाते?

भाई ये तो मंडल मुख्यालय है। हम तो चाहते हैं ये हमारे बुढ़ापे का सहारा बने।

एक नौजवान बीच में कूद पड़ा 'विकास' हो तो रहा है!

हमें उसे टोकना पड़ा, लेकिन सहज व्यवहार के साथ 'ये हमने कब कहा विकास नहीं हो रहा है। मानते हैं तर्क के तौर तरीके भी बदल गए हैं । हमारे भी पांव अब कब्र की ओर हैं लेकिन तुम तो नौजवान हो बेटे! तुम्हारे माथे पर क्यों हैं ये बुढ़ापे की सलवटें? हम जानते हैं इस शहर के विकास के लिए व्यवस्था के अतिरिक्त कई सभा समितियां गठित हैं। श्विकासश के लिए ये सब सुटेबल ही है। लेकिन ऐसा भी नहीं कि इस शहर में पहले सभाएं नहीं हुई हैं या संस्थाएं नहीं रही हैं।'

...जारी है।

साभार: नरेन्द्र कठैत के फेसबुक पेज से

नेताजी संघर्ष समिति ने शहीद सुखदेव को जयंती पर याद किया

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने शहीद सुखदेव को उनकी जयंती पर याद कर श्रद्धांजलि दी।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यालय कांवली रोड पर देश को अंग्रेजों से मुक्ति दिलाने वाले शहीद सुखदेव की जयंती के अवसर पर उन्हें याद किया गया। स्मरण रहे कि देश को अंग्रेजों से मुक्ति दिलाने में सुखदेव के दो और साथी भगत सिंह और राजगुरु थे। इन तीनों को 23 मार्च को एक ही दिन फांसी की सजा दी गई थी। सुखदेव का जन्म 15 मई 1907 को पंजाब के लुधियाना शहर में हुआ था। मगर अफसोस इस बात का है कि आज की हमारे युवा पीढ़ी उन शहीदों को पूर्णत: भूल गई है कि जिनके बलिदान के कारण आज हम स्वतंत्र भारत में खुली हवा में सांस ले रहे हैं देशवासी सदैव सुखदेव के ऋणी रहेंगे। शहीद सुखदेव को याद करने वालों में समिति के प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी, उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल, सुशील बिरमानी, प्रदीप कुकरेती, विपुल नौटियाल पारस यादव, रफीक अहमद सिद्दीकी नूर नाज, अतुल शर्मा, संदीप गुप्ता, अजय आदि उपस्थित रहे।

बैंक से मिले दो हजार के नकली नोट, रिजर्व बैंक प्रबंधन ने दर्ज कराया मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। बैंक से दो हजार के 12 नकली नोट मिलने पर रिजर्व बैंक प्रबंधक ने पीएनबी बैंक की ऋषिकेश शाखा पर मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दावा अनुभाग निर्गम विभाग रिजर्व बैंक कानपुर के प्रबंधक आईपीएस गहलोत ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 2023 में पीएनबी ऋषिकेश शाखा से प्राप्त खजाने से दो हजार रूपये के 12 नकली नोट प्राप्त हुए हैं। जिन्हें उनके द्वारा पकडा गया। जो कि जाली नोटों का मुद्रण और या परिचालन भारतीय दण्ड संहिता के तहत अपराध है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रीन पार्क चमनपुरी निवासी अशोक कुमार ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से झण्डा बाजार आया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल मार्केट में खडी की तथा जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। वहीं स्वातिक एन्क्लेव निवासी अमरजीत सिंह ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी स्कूटी घर के बाहर खडी की थी लेकिन थोडी देर बाद जब वह वापस आया तो उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने पर मां बेटे पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मां बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतीतनगर निवासी लक्ष्मी देवी ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुंए बताया कि उसके पडोस मे रहने वाले बाबूलाल की पत्नी चन्द्रादेवी व उसका पुत्र राजकुमार उसके पास आये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। जब आसपास के लोग उसको छुडाने आये तो दोनों उसको जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर उक्रांद युवा प्रकोष्ट ने सीएम को भेजा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। उक्रांद युवा प्रकोष्ट ने बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज उतराखंड क्रांति दल युवा प्रकोष्ठ द्वारा राज्य की कानून व्यवस्था एवं नाबालिग बालिकाओं की सुरक्षा तथा आरोपियों को कड़ी सजा के संबंध में मुख्यमंत्री को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन दिया।

युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट ने आरोप लगाया कि राज्य में अपराध के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं, साथ ही राज्य में नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म के मामले सामने आ रहे हैं, यह चिंतनीय विषय है। कुछ दिन पूर्व चमोली की रहने वाली दो नाबालिग सगी बहनों को सहारनपुर के दो विशेष धर्म के युवकों द्वारा बहला फुसलाकर देहरादून के होटल में ले जाकर दुष्कर्म किया गया। दूसरी ओर पौड़ी से भी एक नाबालिग लड़की के साथ इसी प्रकार का मामला सामने आया है ऐसे ही पिथौरागढ जिले से भी नाबालिग लड़की के यौन शोषण की घटना सामने आई है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाओ में बढ़ोतरी का कारण आरोपियों के खिलाफ कड़ी कारवाई ना करते हुए उनके साथ नरमी बरतना भी है, जिस प्रकार से नाबालिग बच्चों के साथ हो रहे दुराचार के लिए पोक्सो एक्ट में सजा का प्रावधान है, लेकिन राज्य भर में सैकड़ो ऐसे केस के बाद भी उन पर कारवाई नहीं की जाती यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जहां राज्य में लचर कानून व्यवस्था की पोल आये दिन खुल रही है, चार धाम यात्रा पूर्ण रूप से चरमराई हुई है, वही सूबे के मुखिया बाहरी राज्यों में प्रचार में व्यस्त हैं, राज्य की बहिन, बेटियों के साथ दुष्कर्म करने वाले ऐसे आरोपियों को तत्काल फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर पोक्सो एक्ट में सजा का प्रावधान हो। युवा प्रकोष्ठ के महानगर अध्यक्ष परवीन चंद रमोला ने कहा कि पूर्व में इस प्रकार की घटना भी सामने आई है जिसमें निजी कोचिंग संस्थानों में नाबालिग बच्चों के साथ अमर्यादित व्यवहार किया गया, जबकि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश हैं कि 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी कोचिंग संस्थान में नही रखा जा सकता। युवा प्रकोष्ठ की केंद्रीय प्रवक्ता नेहा उनियाल ने कहा कि निजी कंपनी, फैक्ट्रियों, एवं किसी भी क्षेत्र में कार्यरत महिला कर्मियों की सुरक्षा के लिए कॉउंसलिंग हो। ज्ञापन देने वालो में सुनील ध्यानी, मीनाक्षी घिल्डियाल, जय प्रकाश उपाध्याय, परवीन चंद रमोला, अशोक नेगी, नेहा उनियाल, ललिता गुसाईं, मधु सेमवाल, दीपक रावत, प्रताप कुँवर, बृज मोहन सजवाँण, आदि रहे।

शराब के साथ गिरफ्तार

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने नई बस्ती पुल के पास से एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 52 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम मदन सिंह पुत्र नन्द सिंह निवासी शिवपुरी कालोनी बंजारावाला बताया।

जंगल में मिला शव, परिजनों ने हत्या का मुकदमा दर्ज कराया

संवाददाता

देहरादून। पांच दिन से गायब युवक का शव जंगल में मिला। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भगवान पुर निवासी इमरान ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई जिशान जोशीमठ से 29 अप्रैल को घर के लिए चला था लेकिन वह घर नहीं पहुंचा तो उन्होंने उसकी तलाश शुरू कर दी। पांच मई को उनका सूचना मिली कि उसके भाई का शव छिददरवाला के पास जंगल में मिला है। उसने बताया कि किसी ने उसके भाई की हत्या कर शव को जंगल में फैका है। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आप ज्यादा कोल्ड ड्रिंक पीते हैं तो यह हानिकारक हो सकता है

कई लोग बाहर से गर्मी में पसीना बहाकर घर लौटने पर फ्रिज का ठंडा पानी पीते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि गर्म मौसम में ठंडा पानी पीने से शरीर को गंभीर नुकसान हो सकता है।

आइए जानते हैं इससे जुड़ी कुछ अहम जानकारियां–

दांत खराब होना : विशेषज्ञों के अनुसार,अधिक ठंडा पानी पीने से दांतों की वेजस तंत्रिका पर विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। ये वेगस नसें हमारे तंत्रिका तंत्र का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। अधिक ठंडा पानी पीने से वेगस नसें उत्तेजित होती हैं। नतीजतन, हृदय गति को बहुत कम किया जा सकता है।

कब्ज़ की शिकायत : एक्सरसाइज या वर्कआउट के बाद ठंडे पानी का सेवन बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि वर्कआउट के बाद शरीर का तापमान सामान्य से काफी ज्यादा बढ़ जाता है।

इस समय ठंडा पानी पीने से शरीर के तापमान और बाहरी वातावरण के तापमान के साथ तालमेल नहीं बिठा पाता है। इससे पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अगर आप वर्कआउट के बाद थोड़ा सा गर्म पानी पिएं तो आपको फायदा हो सकता है।

रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं : अत्यधिक ठंडे पानी के कारण रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं। इतना ही नहीं, पाचन के दौरान हमारे शरीर में जितने भी पोषक तत्व अवशोषित होते हैं, वे भी बाधित हो जाते हैं। इससे पाचन संबंधी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

श्वसन पथ के संक्रमण की संभावना : विशेषज्ञों के अनुसार खाना खाने के बाद ठंडा पानी पीने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह वायुमार्ग में बलगम की एक अतिरिक्त परत बनाता है, जिससे संक्रमण की संभावना काफी बढ़ जाती है।

मॉल संस्कृति के मझधार में हिचकोले खाता उपभोक्ता

राजेन्द्र कुमार शर्मा

हाट से मॉल कल्चर तक के सफर को हमने एक लंबे समय में तय किया है। याद करिए वो समय जब अलग-अलग सामान के लिए हमें अलग-अलग दुकानों पर जाना पड़ता था। पंसारी की दुकान, कपड़े की दुकान, तेल के लिए कोल्हू, आटे के लिए आटा चक्की, बेकरी उत्पाद के लिए कंफेक्शनरी शॉप पर, सौंदर्य प्रसाधन के समान के लिए कॉस्मेटिक शॉप पर, बर्तनों के लिए अलग शॉप, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान के लिए अलग दुकान आदि-आदि ऐसे कितने ही उदाहरण हैं जब हम बाजार में एक दुकान से दूसरी दुकान पर अपनी जरूरत की चीजें खरीदते हुए पूरे बाजार का भ्रमण कर लेते थे। धीरे-धीरे दुकानों की जगह सुपर बाजार या सुपरमार्केट ने ली जो हमारे जमाने के जनरल स्टोर की तरह होता था, जिसमें घर की सभी छोटी-मोटी चीजें एक ही जगह पर मिल जाती थी। धीरे-धीरे ये ही सुपर बाजार ही मॉल में परिवर्तित हो गए।

मॉल कल्चर वास्तव में लोगों की मानसिकता को ध्यान में रखकर ही बाजार में लाया गया है। मॉल को पूरी तरह से लोगों के आकर्षण का केंद्र बनाकर ही इसकी योजना की गई है। मॉल के बाहर ही खाने पीने की स्वादिष्ट गर्म, ठंडे, चटपटे व्यंजन ग्राहक को अपनी ओर आकर्षित करते है, मॉल अपने नाम के अनुसार हर छोटी चीज को बड़ा और ग्लैमर के साथ दिखाता है। यहां तक कि अपने नाम को भी, बड़े-बड़े अक्षरों में अंकित करवाता है ताकि लोग दूर से पढ़ सकें और जान सकें कि यहां आसपास कोई मॉल है। अगर आप भी किसी भी मॉल में गए हों और आपने गौर फरमाया हो तो आपको वहां बहुत सी चीजें दिखाई देती है, जो बड़ी सरलता और सहजता से आपके नजर में आ जाती है। क्योंकि ये उस मॉल की विक्रय नीति का ही एक अभिन्न अंग है, वो उनकी रचना ही ऐसे करते है कि आपको नजर आते ही आपको उसे खरीदने की इच्छा होती है। एक और महत्वपूर्ण बात जिस पर कम ही लोग गौर करते हैं, वो है मॉल में समय देखने के लिए घड़ी न होना। कोई भी मॉल में घड़ी नहीं होती है। इसका कारण है ग्राहक को समय की बंदिशों से दूर ले जाना। ताकि आप जब भी मॉल में जाएं तो आपको समय का आभास ही न हो और आप शॉपिंग करना तब तक जारी रखे जब तक आपकी जेब खाली न हो जाए। कभी अनुभव कीजिए, अगर आपको सौ रुपये का सामान लेना है तो आप मॉल में हजार रुपये खर्च करके आ जाते हैं। आप ऐसे समान भी खरीद लेते हैं जिसकी आपको जरूरत नहीं होती, पर उस पर लिखे कम मूल्यों को देखकर आप थोड़ा लालच में आ जाते हैं और ये सोचकर खरीद लेते हैं कि भविष्य में काम आएगी। अर्थात आप अपनी एक नई जरूरत भविष्य के लिए तैयार कर लेते हैं। जो आज तक आपकी जरूरी चीजों की सूची में नहीं थी। मॉल कैसे ग्राहक को जेब से पैसा निकालते हैं और कैसे 100 रुपए की वस्तु को 200 रुपए में बेच देते हैं या आप खरीदने एक पेंट जाते हैं जबकि खरीद के 3-3 पेंट शर्ट आते हैं। इसे भी समझने की जरूरत है। कोई सामान आपको बाजार मे 400 में मिल सकता है। मॉल में उसकी कीमत 1000 दर्शाई जाएगी। साथ ही उस पर एक 50 प्रतिशत छूट का टैग लगा दिया जाएगा। इससे उसकी कीमत 500 हो जाएगी। आप छूट के इस जाल में आसानी से आ जाएंगे। यह आपको तब महसूस होगा जब आप बाजार में जाकर उसकी कीमत मालूम करेंगे। तब पता चलेगा कि जो सामान आपने छूट लेकर खरीदा है, बाजार में वह सामान बिना छूट के ज्यादा सस्ता है। इसी प्रकार एक वस्तु खरीदो तो एक फ्री पायो या तीन पेंट या शर्ट खरीदो बदले में 2 पेंट या शर्ट फ्री पायो।कुछ ऐसे टैग है कि देखकर कोई भी व्यक्ति आसानी से जाल में फंस जाए और होता भी यही, जबकि ग्राहक समझ ही नहीं पाता है कि कोई भी ब्रांड अपनी चीजें फ्री में नहीं देता और बिना मुनाफे के भी नहीं देता है। जैसे आपने एक शर्ट खरीदी, उस पर अंकित कीमत 2999 रुपए है, बाय वन गेट वन के अंतर्गत आपको एक शर्ट फ्री में दे दी गई। यानी की आपको एक शर्ट लगभग 1500 रुपए की पड़ी, जबकि बाजार में उसी शर्ट की कीमत 1000 रुपए से ज्यादा नहीं पड़ती सीधा मतलब है कि आप 2000 रुपए में दो शर्ट खरीद ही सकते थे परंतु बाय वन गेट वन के लालच में वो ही 2 शर्ट आपने 3000 रुपए में पड़ती है। मॉल के इस कल्चर से ब्रांड को मुनाफा तो होता ही है साथ ही उसकी सेल में वृद्धि होती है। क्योंकि एक शर्ट की जगह दो शर्ट खरीदी जाती हैं।

इस प्रकार यह सामानों की बिक्री की एक विपणन नीति होती है जिसमें उच्च स्तरीय महंगे सामानों को सस्ते में खरीदने की लोगों की मानसिकता का लाभ उठाया जाता है। इसी लिए मॉल कल्चर लोगों को खर्चिला बना रहा है। और लोग भी स्टेट्स के नाम पर आंख मिचकर पैसे खर्च कर देते है। रही सही कसर क्रेडिट कार्ड देकर बैंक प्रणाली ने पूरी कर दी। जेब में पैसा नही है तब भी कोई चिंता की बात नहीं ए प्लास्टिक मनी आपको आज खर्चों कल भरो का ऑप्शन देती है। पर कितना खर्चों इसकी मॉल में जाने के बाद कोई सीमा नहीं होती। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

पेट में जलन को शांत करने के लिए करें इन खाद्य पदार्थों का सेवन

बढ़ते तापमान के बीच लोगों को पेट में जलन महसूस होने लगती है, जिसके कारण उलटी भी आ सकती हैं। अपच और एलर्जी इस समस्या के मुख्य कारण हो सकते हैं।पेट में लगातार हो रही जलन को ठीक करने के लिए डॉक्टर के पास जाना चाहिए।हालांकि, आप इस परेशानी का घरेलू उपचार करने के लिए खान-पान में इस्तेमाल होने वाली कुछ चीजों का उपयोग भी कर सकते हैं। इसे शांत करने के लिए ये खाद्य-पदार्थ खाएं।

केला

जब आपको अचानक पेट में जलन महसूस हो तो केला खाने से आराम मिल सकता है। केले एंटासिड से भरपूर हैं, जो आपके पेट की जलन से लड़ सकते हैं।इन प्राकृतिक एंटासिड प्रधावों के कारण केले को पचाना भी आसान होता है। यह अपच और बदहजमी जैसे लक्षणों को दूर करने में भी मदद कर सकता है।रोजाना अपनी डाइट में एक केला शामिल करने से आपके पेट का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और जलन ठीक होगी।

बेकिंग सोडा

रसोई में इस्तेमाल होने वाला बेकिंग सोडा भी पेट की जलन को शांत करने का कारगर उपाय होता है। बेकिंग सोडा को पानी के साथ मिलाने से यह काउंटर एंटासिड की तरह काम कर सकता है।यह खाद्य-पदार्थ पेट की एसिडिटी को कम करके अपच को दूर करने में मदद करता है। बेकिंग सोडा एक एल्कलाइन पदार्थ है, जो पेट के एसिड को बेअसर करके पेट की जलन, सूजन और गैस से राहत प्रदान कर सकता है।

च्युइंग गम

जब आपको किसी ऐसी जगह पर पेट में जलन शुरू हो जाए, जहां खाने की चीजें मिलना मुश्किल हो तो आप च्युइंग गम चबा सकते हैं। च्युइंग गम चबाना आपके पेट की परेशानियों को दूर करने का एक असरदार तरीका है।इससे मुंह में लार का उत्पादन बढ़ता है, जिससे खाने की नली में भरा एसिड साफ होता है। हालांकि, पुदीने के स्वाद वाला च्युइंग गम न खाएं।यह आपकी जलन की समस्या में इजाफा ला सकता है।

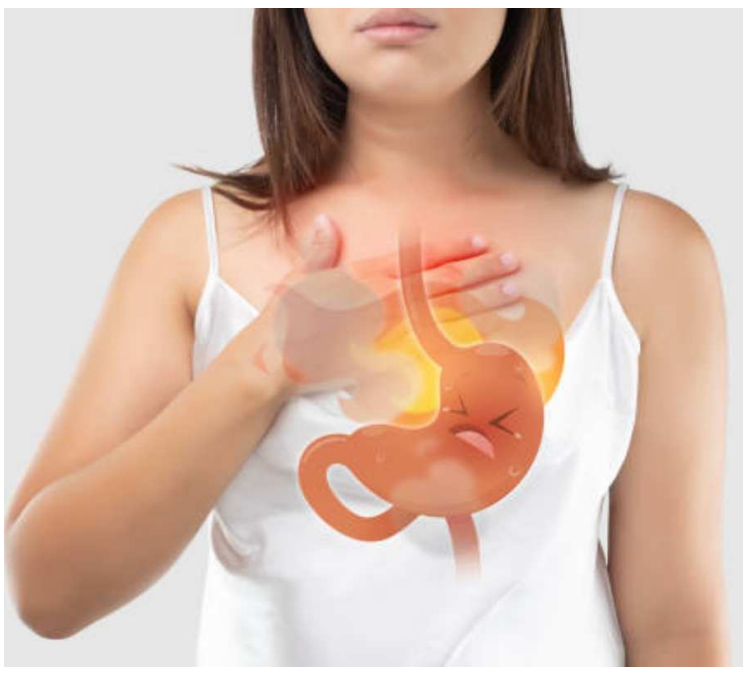

दूध

सभी के घर में रोजाना चाय का सेवन होता ही है, जो गैस और जलन को बढ़ा सकता है। इसके बजाए जलन महसूस होने पर आप एक गिलास ठंडा दूध पीएं।इसमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है, जो पेट में भरे एसिड को कम करता है। एसिड के कम हो जाने पर लिहाजा आपको अपच और अन्य पाचन संबंधी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है।आप पेट का स्वास्थ्य दुरुस्त करने के लिए फेर्मेंटेड पेय पी सकते हैं।

सौंफ

सौंफ एक एंटीस्पास्मोडिक जड़ी बूटी है, जो अपच को दूर करने के लिए जानी जाती है। साथ ही यह आपको पेट में होने वाली जलन से भी आराम दिला सकती है।रोजाना भोजन करने के बाद एक चम्मच सौंफ खाएं, जिससे पेट में जलन की परेशानी खत्म हो जाएगी। सौंफ पेट में ऐंठन जैसी अन्य गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं को भी शांत करने में मदद करेगी।आप डाइट में सौंफ का पानी शामिल करके भी पेट को स्वस्थ रख सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य-78

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

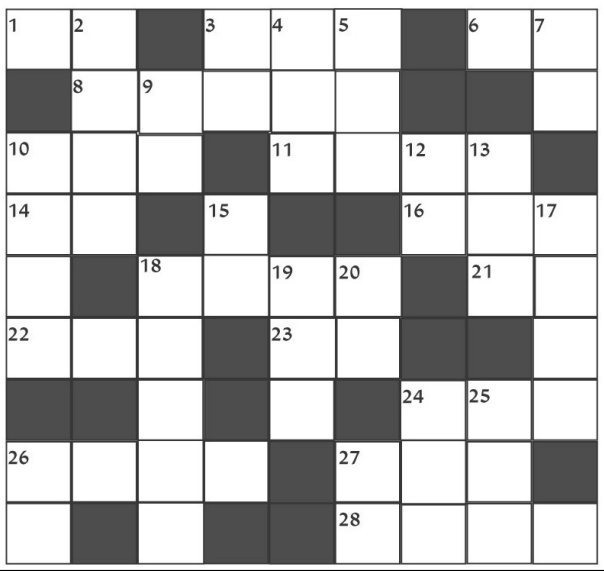

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 77 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

फिल्म भैया जी का ट्रेलर हुआ रिलीज, मनोज बाजपेयी बने देसी एक्शन स्टार

मनोज बाजपेयी पिछली बार फिल्म साइलेंस 2 में दिखे थे। इस फिल्म में उनके साथ प्राची देसाई नजर आई थीं। साइलेंस 2 को भले ही कुछ खास प्रतिक्रिया नहीं मिली, लेकिन मनोज ने हमेशा की तरह फिल्म में महफिल जरूर लूटी।पिछले कुछ दिनों से वह फिल्म भैया जी को लेकर चर्चा में हैं, जिसके पोस्टर और टीजर सामने आने के बाद इसकी रिलीज को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है।अब फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

मनोज का लुक और किरदार दोनों ही दमदार है, जो फिल्म देखने पर मजबूर कर देगा। उनका ऐसा गुस्से वाला अवतार पहली बार देखने को मिला है। देसी एक्शन करते हुए मनोज खूब जंच रहे हैं, वहीं किरदार कुछ ऐसा है, जिसके आतंक से हर कोई खौफ खाता है।मनोज उर्फ भैया जी का खौफ ऐसा है कि हर कोई इधर-उधर भागने लगता है। इलाके में न सिर्फ उनका रसूख, बल्कि तांडव भी है।

भैया जी के निर्माता विनोद भोनुशाली और समीक्षा शैला ओसवाल हैं। इस फिल्म को अपूर्व सिंह कार्की ने निर्देशित किया है। वह इससे पहले मनोज की फिल?म सिर्फ एक बंदा काफी है का निर्देशन भी कर चुके हैं।बंदा को ओटीटी पर दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। इसकी बढ़ती लोकप्रियता देख इसेफिर सिनेमाघरों में भी रिलीज किया गया था। एक तरफ जहां मनोज के अभिनय की फिल्म में जमकर तारीफ हुई, वहीं अपूर्व का निर्देशन भी काबिल-ए-तारीफ था।

भैया जी मनोज के लिए खास है, क्योंकि 30 साल के करियर में यह उनकी 100वीं फिल?म है। यह फिल?म 24 मई, 2024 को सिनेमाघरों में आएगी।इस पर मनोज कहते हैं, मुझे एक ऐसा किरदार निभाना था, जिसे दर्शक आसानी से ना भूलें। खासकर तब, जब भैया जी इंडस्ट्री में मेरी 100वीं फिल्म है और मुझे खुशी है कि मुझे अपनी बंदा टीम के साथ ऐसा करने का मौका मिला। दर्शक फिल्म के हर सेकेंड का आनंद लेंगे।

मनोज जल्द ही कनु बहल के निर्देशन में बनी फिल्म डिस्पैच में भी मुख्य भूमिका निभाएंगे। इसमें वह एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं, जो खुद को व्यापार और अपराध की दुनिया की दलदल में फंसा हुआ पाता है।फिल्म में मनोज के साथ अभिनेत्री शहाना गोस्वामी अहम भूमिका में हैं। यह फिल्म अपराध पत्रकारिता की दुनिया पर आधारित है।उधर बर्लिन अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित हो चुकी उनकी फिल्म द फेबल भी रिलीज होने वाली है।

एक्शन थ्रिलर सावि- ए ब्लडी हाउसवाइफ का टीजर हुआ रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर और अभिनेत्री दिव्या खोसला की फिल्म सावि- ए ब्लडी हाउसवाइफ की धमाकेदार टीजर रिलीज हो गया है। सावि के मोशन पोस्टर से प्रशंसकों के बीच उत्सुकता पैदा कर दी है। इन साजिशों को और गहरा करते हुए दिव्या ने अभिनय देव निर्देशित इस फिल्म के टीजर में एक बड़ा बयान देकर सभी को उत्सुक कर दिया है।

टी सीरीज के जरिए जारी किए गए टीजर में सावि के रूप में दिव्या खोसला को यह कबूल करते हुए दिखाया गया है कि उनके पास तीन दिनों के बाद लंदन में जेल ब्रेक की साजिश रचने और उसे अंजाम देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। वे एक साधारण गृहणी हैं, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपने हाथों को खूब से क्यों रंगा है यह टीजर ऐसे कई सवाल पैदा कर रहा है।

फिल्म में दिव्या खोसला के साथ अनिल कपूर और हर्षवर्धन राणे भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म की पूरी शूटिंग लंदन में की गई है। किरदार देव की फिल्म सावी का निर्माण विशेष मनोरंजन और टी-सीरीज के बैनर मुकेश भट्ट, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार ने किया है। शिव चाना और साक्षी भट्ट सह-निर्माता के रूप में शामिल हैं। यह फिल्म एक बेहतरीन एक्शन एक्शन से भरपूर है। हालांकि, यह देखने के लिए कि एक साधारण गृहिणी के जेल से पीछे की कहानी क्या है और वह इसे कैसे प्रदर्शित करती है, इसके लिए फिल्म के रिलीज होने तक का इंतजार करना होगा। यह फिल्म 31 मई, 2024 को रिलीज होगी।

राशि खन्ना ने ऑफ शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस में कराया हॉट फोटोशूट

फर्जी वेब सीरीज से फेम हासिल करने वाली अदाकारा राशि खन्ना सोशल मीडिया पर भी काफी लोकप्रिय हैं। आए दिन एक्ट्रेस अपने सिजलिंग अवतार से यूजर्स को घायल करती रहती हैं। एक्ट्रेस राशि खन्ना आए दिन इंस्टाग्राम पर अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर कर के फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा देता है। हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

हाल ही में एक्ट्रेस राशि खन्ना ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में राशि खन्ना का कातिलाना अंदाज देखकर फैंस उन पर अपना दिल हार गए हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपने हॉट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे देखने के बाद आपका दिल धक-धक करने लग जाएगा। राशि खन्ना ने ब्लैक कलर का ऑफ शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस पहना है। लाइट मेकअप के साथ बालों को खुला छोड़ा है और कैमरे के सामने सेक्सी पोज देते दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वारल हो रही है।

साथ ही उनके फैंस अपनी चहेती की हॉटनेस देख घायल हो गए हैं और तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

राशि खन्ना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें लाखों लोग फॉलो करते हैं।

गुलशन देवैया और सैयामी खेर की फिल्म 8 एएम मेट्रो जी5 पर रिलीज

गुलशन देवैया और सयामी खेर की फिल्म 8 एएम मेट्रो पिछले साल 19 मई, 2023 को रिलीज हुई थी। उस वक्त काफी कम दर्शक फिल्म को सिनेमाघरों में देखने गए थे। हालांकि, आलोचकों की ओर से मिली अच्छी प्रतिक्रियाओं के बाद कई लोगों ने इसे देखने का मन बनाया। ऐसे दर्शक, जो इस फिल्म को नहीं देख पाए थे, उनके लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही है।

लगभग एक साल बाद दर्शकों को 8 एएम मेट्रो को देखने का मौका मिलने वाला है। दरअसल, बड़ा अपडेट यह है कि फिल्म ओटीटी पर स्ट्रीम हुई है। दर्शक इस फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी 5 पर देख पाएंगे। इसकी स्ट्रीमिंग 10 मई से शुरू हुई। फिल्म का निर्देशन राज रचाकोंडा ने किया है। वही इस फिल्म के लेखक भी हैं। बताते चलें कि यह फिल्म तेलुगु उपन्यास अंदामैना जीविथम पर आधारित है, जिसे मल्लादी वेंकट कृष्ण मूर्ति ने लिखा है। फिल्म का संगीत मार्क के. रॉबिन ने तैयार किया है।

8 एएम मेट्रो की कहानी मेट्रो में मिलने वाले दो अनजान लोगों के इर्द-गिर्द घूमती है। कैसे उनकी मुलाकात सुबह 8 बजे वाली मेट्रो में होती है और कैसे उनका रिश्ता धीरे-धीरे आगे बढ़ता है। फिल्म इसी को दिखाते चलती है। सयामी ने इस फिल्म में इरावती का किरदार निभाया है। फिल्म में गुलजार की कई कविताएं सुनने को मिलती है। मालूम हो कि उन्होंने ही फिल्म का पोस्टर भी लॉन्च किया था।

आगामी फिल्म टिप्सी को लेकर बेहद उत्साहित हैं अलंकृता सहाय

अलंकृता सहाय वास्तव में बड़े समय पर और वास्तविक रूप से हावी रही हैं। साल 2023 उनके लिए हर तरह से अभूतपूर्व रहा है। चाहे वह अविश्वसनीय और चार्टबस्टर संगीत वीडियो हो या कुछ शीर्ष पुरस्कार और एक के बाद एक मिलने वाली प्रशंसा, हमने वास्तव में यह सब उसके अंत में घटित होते देखा है। वह तरोताजा हैं और 2024 में सूट्स यू, मोटे पेग 2 और अब जैसी अपनी हालिया परियोजनाओं की सफलता पर सवार हैं।

इस आकर्षक दिवा के लिए यह फिल्म देखने का समय है। अभिनेत्री टिप्सी नाम की एक बड़ी फिल्म में नजर आने के लिए तैयार है, जिसे दीपक तिजोरी द्वारा निर्देशित और राजू चड्ढा वेव्स और पैनोरमा स्टूडियो द्वारा निर्मित किया गया है।फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि अलंकृता ने इसमें काम किया है। इस पर बेहद सख्त होने से उसका उत्साह आसमान छू रहा है।

यह पूछे जाने पर कि इस फिल्म में उनके प्रशंसकों को उनसे क्या उम्मीद करनी चाहिए, अभिनेत्री ने कहा कि यह एक ऐसी फिल्म है जिसमें मैंने वास्तव में अपना सब कुछ दिया है क्योंकि मैंने इस फिल्म की शूटिंग अपने पिता के निधन के तुरंत बाद की थी। मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो पिछली सफलता का जश्न मनाने के मामले में स्थिर रहना पसंद करते हैं। जो बीत गया वह बीत गया और यह है।

भविष्य पर ध्यान केंद्रित करना हमेशा बेहतर होता है। हां, 2023 अच्छे गानों और एक शानदार ओटीटी प्रोजेक्ट के मामले में मेरे लिए बहुत अच्छा रहा है। टिप्पसी में ट्रिपल पी वह है, वह होने वाली दुल्हन है और मेरी भूमिका इससे बहुत अलग है। मेरे दर्शकों ने मुझे पहले भी ऐसा करते हुए देखा है। मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी कार्यशालाएं सही तरीके से की हैं कि मैं वही कर पा रही हूं जो निर्माता और निर्देशक मुझसे उम्मीद करते हैं। ट्रेलर शानदार रहा है और मैं ट्रेलर के बाद मिली तारीफों से रोमांचित हूं।

क्षमता विकसित करने के पर्याप्त अवसर मिलें

भारत डोगरा

भारत उन देशों में है जहां जनसंख्या के आयु वर्गीकरण के आधार पर युवा शक्ति का प्रगति में अधिक योगदान अपेक्षित है।

इन संभावनाओं को भरपूर प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि युवाओं को इस प्रगति के अनुकूल अपनी क्षमता विकसित करने के पर्याप्त अवसर मिलें। इसके लिए शिक्षा और कौशल विकास के बेहतर अवसर तो जरूरी हैं ही, पर इसके साथ युवा सोच को ऐसी दिशा देना भी जरूरी है जो सामाजिक आर्थिक प्रगति के अनुकूल हो।

यह इस समय और भी जरूरी हो जाता है जब युवाओं के सामने तरह-तरह के अनिश्चय की स्थितियां उपस्थित हैं। एक ओर बेरोजगारी की समस्या है और योग्यता तथा अपेक्षा के अनुकूल रोजगार न मिल पाने की समस्या है। दूसरी ओर, कुछ अन्य स्तर पर भी अनिश्चय और भटकाव है। आखिर, ऐसी क्या बात है कि पंजाब-हरियाणा जैसे अपेक्षाकृत समृद्ध क्षेत्रों में भी अनेक खाते-पीते परिवारों के युवक भी किसी तरह विदेश जाने से ही अपनी उम्मीदें जोड़ कर बैठ गए हैं। 'डंकी' मार्ग के अनेक खतरों को उठाना मंजूर है, इसके लिए परिवार को कर्जग्रस्त होना मंजूर है, पर विदेश जाना एक जिद बन गई है जबकि आसपास के परिवेश से जुडक़र एक बेहतर जीवन तलाशने का विकल्प स्वीकार्य नहीं है। इस तरह की स्थितियों से लगता है कि एक ओर शिक्षा और रोजगार की स्थिति से जुड़ी हुई समस्याएं हैं तो दूसरी ओर कुछ अन्य तरह का भटकाव और अनिश्चय भी है। इस कारण अनेक तनाव भी बढ़ सकते हैं और नशे जैसी तबाही की ओर झुकाव बढ़ सकता है। इन समस्याओं के बीच समाधान की एक बड़ी राह यह है कि कुछ बुनियादी मूल्यों और प्रतिबद्धताओं को युवाओं में प्रतिष्ठित किया जाए और उनकी सोच को इसके अनुकूल बताया जाए। यह सच है कि अधिकांश युवाओं के लिए रोजगार और आजीविका की सोच प्रमुख है, पर आगे चुनौती यह है कि इसके साथ एक बेहतर समाज बने और युवाओं को इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका में कैसे जोड़ा जा सकता है।

युवाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए कि छात्र जीवन से ही वे इस बारे में अधिक सोचें कि उनकी प्रतिभाएं अधिक विकसित किस क्षेत्र में हो सकती हैं और किस तरह आसपास के समाज से जुड़ सकती हैं। इस तरह उनकी रचनात्मकता कहीं बेहतर ढंग से उभर सकेगी और समाज की भलाई से भी जुड़ सकेगी। इस पर अनेक युवा कहेंगे कि इस तरह की नौकरी न मिले (जिसमें अपनी रचनात्मक प्रतिभा और समाज की बेहतरी का मिलन हो) तो क्या करें। केवल नौकरी ही सब कुछ नहीं है, स्वरोजगार की भी अनेक संभावनाएं हैं, मित्रों-साथियों के साथ मिल कर भी कार्य करने की अनेक संभावनाएं हैं। जरूरत इस बात की है कि इस बारे में खूब सोच-विचार करें, जांच पड़ताल करें, अध्ययन करें और मित्रों, साथियों, अनुभवी व्यक्तियों, अभिभावकों से विमर्श करें कि अपनी प्रतिभा, क्षमता और सामाजिक भलाई के मिलन के आधार पर कैसे आगे बढ़ा जाए। यदि डाक्टर बनना है तो निर्धन लोगों की सेवा में अधिक जुड़ा जाए, यदि अध्यापक बनना है तो शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार भी दिए जाएं, यदि पंचायत सदस्य बनना है तो पूरे गांव की भलाई से जुड़ा जाए, यदि किसान बनना है तो पर्यावरण की रक्षा वाली खेती की जाए।

यह प्रक्रिया अपने आप इतनी रचनात्मक है कि इसमें गुजरते हुए ही युवाओं की क्षमता और समझ बहुत बढ़ती है और वे बेहतर इंसान भी बनने लगते हैं। इस सोच और विमर्श से गुजरते हुए ही युवाओं की अपने वर्तमान और भावी जीवन के बारे में कुछ ऐसे संकल्प बना लेने चाहिए जो उन्हें बेहतर जीवन और समाज की राह पर चलने में बहुत मदद करेंगे। पहली बात तो यह है कि सभी तरह के नशे से दूर रहने का संकल्प कर लिया जाए। अपने स्तर पर तो यह कर ही लिया जाए और हो सके तो नजदीकी मित्रों और साथियों को साथ लेकर भी यह संकल्प कर लिया जाए। शराब ड्रग्स, सिगरेट-बीड़ी, गुटका आदि सभी तरह के नशों को जीवन भर के लिए त्याग देना चाहिए। खान-पान, आचार, व्यवहार सभी में बेहतर स्वास्थ्य का ध्यान भी रखना होगा क्योंकि अच्छे स्वास्थ्य के बिना कोई भी बड़ा संकल्प प्राप्त करने में अनेक कठिनाइयां आती रहती हैं। सुरक्षा का, किसी एक्सीडेंट या दुर्घटना से बचाव का अपने और परिवार के स्तर पर बड़ा ध्यान रखना चाहिए, इसके लिए जरूरी सावधानियां अपनानी चाहिए।

युवाओं को अपने परिवार की भलाई से भरपूर जुडऩा चाहिए। आगे उनका विवाह होता है, तो अपने नये परिवार के प्रति पूरी निष्ठा जीवन भर रखनी चाहिए। युवाओं के लिए यह विशेष तौर पर जरूरी है कि महिलाओं का पूरा सम्मान करें और अपनी पत्नी (या किसी भी अन्य महिला के प्रति) कभी भी हिंसा या अत्याचार न करें। अच्छे पारिवारिक जीवन से एक बुनियाद तैयार होती है तो जीवन-पथ पर सदा सहायक होती है। अपने मित्रों, सहयोगियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना, विास और आपसी सहयोग के संबंध बनाए रखना भी लगभग इतना ही जरूरी है। तरह-तरह की फिजूलखर्ची से बचना चाहिए, केवल भेड़-चाल में आ कर अनाप-शनाप खर्च नहीं करना चाहिए और अपनी तथा परिवार की वास्तविक जरूरतों को पूरा करने के साथ कुछ बचत करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। ईमानदारी और न्याय के लिए प्रतिबद्धता जीवन में आरंभ से बना लेनी चाहिए और किसी भी अपराध और जुए जैसी बुराइयों के नजदीक भी नहीं जाना चाहिए।

सोशल मीडिया, मोबाइल फोन और कंप्यूटर की आधुनिक दुनिया में यह समझ बना लेना बहुत जरूरी है कि इनका सही उपयोग क्या है और अनुचित उपयोग क्या है। अनुचित उपयोग से यथासंभव दूर रहना चाहिए। अपने भीतर की हिंसक प्रवृत्तियों को, क्रोध और हिंसा को प्रयास कर दूर करना चाहिए तथा अमन-शांति तथा अहिंसा की राह पर जीवन भर चलना चाहिए। धर्म, जाति, लिंग, नस्ल, रंग आदि के आधार पर होने वाले किसी भी भेदभाव से दूर रहना चाहिए और सभी इंसानों की समानता, सभी धर्मो के सम्मान में गहरा विास रखना चाहिए। न्याय के लिए आवाज उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए, पर इसके लिए आपसी एकता से अपने को मजबूत भी बना लेना चाहिए।

ये कुछ ऐसे जीवन-मूल्य हैं जिन्हें अपना लिया जाए, या जिन्हें अपनाने का निरंतरता से प्रयास किया जाए, तो एक ऐसे जीवन की बुनियाद तैयार हो जाती है, जिससे अपनी प्रतिभाओं और रचनात्मकता को समाज की भलाई से अधिकतम जोड़ा जा सकेगा। कल्पना कीजिए, यदि बढ़ती संख्या में युवक-युवतियां, छात्र-छात्राएं अपने भावी जीवन के बारे में इस तरह सोचने लगें तो कितना बड़ा बदलाव आ सकता है। युवा ही हमारे समाज की सबसे बड़ी संपत्ति है, देश और समाज का भविष्य उनके ही हाथों में है। अत- आज के तरह-तरह के भ्रम और भटकाव के बीच उनके लिए जीवन की सही विद्या प्राप्त करना अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है और इस महत्त्वपूर्ण सामाजिक जिम्मेदारी की हमें कभी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।

सू- दोकू क्र. 78

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.77 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

रीति-रिवाजों की अनदेखी से उपजी फिक्र

अशोक कुमार

देश की शीर्ष अदालत को यदि विवाह जैसे बेहद व्यक्तिगत मामले में परामर्श देना पड़ा है, तो इसका अभिप्राय यही है कि इसके मूल स्वरूप से तेजी से खिलवाड़ हुआ है। कोर्ट को सख्त लहजे में यहां तक कहना पड़ा कि विवाह यदि सप्तपदी यानी फेरे जैसे उचित संस्कार और जरूरी समारोह के बिना होता है तो वह अमान्य ही होगा। निश्चित रूप से अदालत ने यह बताने का प्रयास किया कि इन जरूरी परंपराओं के निर्वहन से ही विवाह की पवित्रता और कानूनी जरूरतों को पूरा किया जा सकता है।

दरअसल, हाल के वर्षों में विवाह समारोहों के आयोजन में पैसे के फूहड़ प्रदर्शन व तमाम तरह के आडंबरों को तो प्राथमिकता दी जा रही है, लेकिन परंपरागत हिंदू विवाह के तौर-तरीकों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। आज से कुछ दशक पूर्व हिंदी फिल्मों में हास्य पैदा करने के लिये विवाह से जुड़ी परंपराओं का जिस तरह का मजाक बनाया जाता था, आज कमोबेश वैसी स्थिति समाज में भी बनती जा रही है। वर-वधू द्वारा अपने जीवन के एक महत्वपूर्ण अध्याय को शुरू करने के वक्त विवाह के आयोजन में जो शालीनता, गरिमा व पवित्रता होनी चाहिए, उसे खारिज करने की लगातार कोशिशें की जाती रही हैं। यही वजह है कि अदालत को याद दिलाना पड़ा कि हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के अंतर्गत विवाह की कानूनी जरूरतों तथा पवित्रता को गंभीरता से लेने की जरूरत है। जिसके लिये पवित्र अग्नि के चारों ओर लगाये जाने वाले सात फेरे जैसे संस्कारों व सामाजिक समारोह से ही विवाह को मान्यता मिल सकती है।

निश्चित रूप से आज विवाह संस्कार की गरिमा को प्रतिष्ठा दिये जाने की जरूरत है। यानी विवाह सिर्फ प्रदर्शन नहीं है। विवाह मजबूरी का समझौता भी नहीं हो सकता। निश्चित रूप से भारतीय जीवन पद्धति में विवाह महज महत्वपूर्ण संस्कार ही नहीं है बल्कि नवदंपति के जीवन के नये अध्याय की शुरुआत भी है। जिसे हमारे पूर्वजों ने बेहद गरिमा व सम्मान के साथ पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाया है। आज हम भले ही कितने आधुनिक हो जाएं, विवाह से जुड़ी अपरिहार्य परंपराओं को नजरअंदाज कदापि नहीं कर सकते।

निश्चित रूप से विवाह को औपचारिक रूप से मान्यता देने के लिये पंजीकरण आदि के उपाय इस रिश्ते को अपेक्षित गरिमा देने में विफल ही रहे हैं। यही वजह है कि शीर्ष अदालत में न्यायाधीश को कहना पड़ा कि सात फेरों का अर्थ समझे बिना हिंदू विवाह की गरिमा को नहीं समझा जा सकता।

यह भी कि हिंदू विवाह सिर्फ नाचने-गाने तथा पार्टीबाजी की ही चीज नहीं है, यह एक गरिमामय संस्कार है। उसके लिये सामाजिक भागीदारी वाला जरूरी विवाह समारोह भी होना चाहिए। यानी महज पंजीकरण से विवाह की वैधता पर मोहर नहीं लग जाती। निस्संदेह, निष्कर्ष यही है कि पैसा पानी की तरह बहाकर तमाम तरह के आडंबरों को आयोजित करने के बजाय विवाह के मर्म को समझना होगा। इसके बावजूद देशकाल व परिस्थितियों के अनुरूप विवाह पंजीकरण की जरूरत को भी पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। हमें यह भी स्वीकारना होगा कि 21वीं सदी का भारतीय समाज बदलते वक्त के साथ नई चाल में ढला है।

नई पीढ़ी की कामकाजी महिलाएं आज आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हुई हैं और अपनी शर्तों पर विवाह की परंपराओं को निभाने की बात करती हैं। जिसके चलते विवाह संस्था को लेकर कई अदालतों के फैसले सामने आए हैं, जिनकी तार्किकता को लेकर समाज में बहस चलती रहती है। जिसमें कई कर्मकांडों पर नये सिरे से विचार-विमर्श की जरूरत बतायी जाती रही है। मसलन कुछ कथित प्रगतिशील लोग कन्यादान व सिंदूर लगाने की अनिवार्यता को लेकर किंतु-परंतु करते रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद हमें न्यायालय की चिंताओं पर चिंतन तो करना ही चाहिए।

यह सवाल रूढ़िवादिता का नहीं है। बल्कि दुनिया के तमाम धर्मों में सदियों से चली आ रही वैवाहिक परंपराओं का आदर के साथ अनुपालन किया जाता है। यह हमारे पूर्वजों द्वारा स्थापित रीति-रिवाजों का सम्मान करने जैसा ही होता है। जो नया जीवन शुरू करने वाले वर-वधू को एक आशीष जैसा ही होता है।

मनमीत रावत के खिलाफ मुकदमा लिखने पर पत्रकार मिले डीजीपी से

संवाददाता

देहरादून। पत्रकार मनमीत रावत के खिलाफ मुकदमा दर्ज किये जाने पर आक्रोशित पत्रकारों के प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस महानिदेशक से मुलाकात कर अपना विरोध दर्ज कराया। डीजीपी ने आश्वासन दिया कि मुकदमें को समाप्त कर दिया जायेगा।

आज यहां पत्रकारों का एक प्रतिनिधि मंडल उत्तराखण्ड पत्रकार यूनियन के बैनर तले पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार से उनके कार्यालय में मिले। उन्होंने कहा कि पत्रकार यूनियन के कोषाध्यक्ष व पत्रकार मनमीत रावत उत्तरकाशी कोतवाली में धारा 155 और 505 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। यूनियन पुलिस के इस कार्य की भर्त्सना करती है। जिन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है वह सम्बन्धित धारायें उस व्यक्ति पर लगायी जाती है जिसने धार्मिक भावनायें आहात की हों। एफआईआर में बताया गया है कि मनमीत ने चारधाम के सम्बन्ध में और खासकर यमनोत्री में फैली अव्यवस्थाओं पर भ्रामक ग्राउंड रिपोर्ट चारधाम: 45 किलोमीटर का जाम, लोग 25 घंटे से फंसे दर्शन के इंतजार में दस की मौत की है। इन प्रकाशित समाचारों में मुख्य रूप से दस लोगों की मौत पर सवाल उठाये गये हैं। जबकि उसी दिन गढवाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने एक पत्रकार वार्ता में पत्रकारो के सवालों का जवाब देते हुए जानकारी दी कि चारधाम मं मौंते दस नहीं, बल्कि 11 हुई हैं। ऐसे में यह आश्चर्य का विषय है कि जब सरकार खुद ही मान रही है कि मौंतो का आंकडा दस से ज्यादा है तो फिर पत्रकार ने भ्रामक खबर कैसे लिख दी। उन्होंने डीजीपी से मनमीत रावत पर किये गये झूठे मुकदमें को वापस लेने की मांग की। डीजीपी अभिनव कुमार ने उनको आश्वासन दिया कि इस मामले में किसी भी प्रकार का पत्रकार का उत्पीडन नही किया जायेगा तथा मुकदमें को भी समाप्त किया जायेगा। प्रतिनिधि मंडल में भूपेन्द्र कण्डारी, नवीन थलेडी, रश्मि खत्री, देवेन्द्र नेगी, संतोष चमोली आदि लोग शामिल थे।

सभी धामों में मोबाइल फोन बैन..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

मीनाक्षी सुंदरम ने आज बद्रीनाथ व केदारनाथ धाम जाकर यात्रा की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और एक-दो दिन में हालात सामान्य होने की बात कही है। उनका कहना है की यात्रा सुचारू रूप से चल रही है तथा कमियों को दूर किया जा रहा है। बड़े वाहनों व 42 सीटर बसों के संचालन के कारण भी मार्ग बाधित हो रहे हैं।

पोती ने ही रची थी दादी की हत्या की साजिश

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

के दौरान सीसी कैमरे खंगालने पर पुलिस को पता चला कि घटना के दिन एक संदिग्ध युवक बीबीए का छात्र उदित झा उक्त मकान में आया था। जिस पर पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने हत्या की बात कबूलते हुए पूरे घटनाक्रम और हत्या की वजह सहित इसमें शामिल सभी किरदारों से पर्दा उठा दिया। उसने पूछताछ में बताया कि मृतका की पोती भूमिका (काल्पनिक नाम) का अनुराग के साथ व उदित झा का कनखल निवासी आयशा (काल्पनिक नाम) के साथ अफेयर है। भूमिका और आयशा एवं उदित झा और अनुराग भी आपस में दोस्त हैं। आयशा और उदित झा के प्राइवेट फोटो/वीडियो मृतका की पोती भूमिका के पास थी। भूमिका अपने ब्वायफ्रेंड अनुराग को समय-समय पर घर से चोरी करके काफी पैसे देती रहती थी जबकि अनुराग लोकल स्तर पर मात्र 10 से 15 हजार रुपए के बीच की नौकरी करता था। घर से धीरे-धीरे लगातार पैसे गायब होने पर मृतका अर्चना ने पैसे छुपाने शुरू कर दिए और जल्द ही वह समझ गई कि उसकी पोती भूमिका ही ऐसा करती है। इससे परेशान होकर भूमिका ने अपनी दादी को अपने रास्ते से हटाने का प्लान बनाया और उदित झा को धमकी दी कि तू मेरी दादी को रास्ते से हटा दे वरना तेरी प्राइवेट वीडियो को वायरल कर दिया जाएगा। योजना बनी कि जब घर के सभी लोग घर से बाहर चले जाएं तो युवक घर जाकर दादी का काम तमाम कर दे।

इस पर 14 मई गंगा सप्तमी के दिन मृतका बुजुर्ग महिला अर्चना के घर के सभी सदस्य गंगा स्नान/पूजन हेतु हरिद्वार चले गए तो भूमिका द्वारा उदित झा को अपने घर की सारी जानकारी उपलब्ध करवाकर सूचना दी गई कि आज हमारे घर पर जाकर मेरी दादी को रास्ते से हटा दो। जिस पर आरोपी उदित झा ने अंसारी मार्केट से हथौड़ा खरीदा और अपनी स्कूटी से घटना स्थल के सपीप पहुंचा और सीसी कैमरों से बचता हुआ मृतका के घर पर आया। जहां उसने मृतका पर हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त हथौड़ा, स्कूटी व अन्य सामान बरामद किये गये है।

विधायक, विधायक निधि से रखे गेस्ट टीचर: मर्तोलिया

संवाददाता

पिथौरागढ़। जिला पंचायत सदस्य व उत्तराखण्ड त्रिस्तरीय राज संगठन के संयोजक जगत मर्तोलिया ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर विधायक निधि से गेस्ट टीचर रखने का प्रस्ताव भेजा है।

आज यहां उत्तराखंड के प्राथमिक से लेकर माध्यमिक तक के सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों के चलते शिक्षा व्यवस्था चौपट हो गई है। चीन सीमा से लगे जनप्रतिनिधियों ने सरकार तथा विधायकों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जनप्रतिनिधियों ने उत्तराखंड की विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी को पत्र भेजकर विधायक निधि से सरकारी विद्यालयों में गेस्ट टीचर रखे जाने पर खर्च करने के लिए पहल करने की मांग की। उत्तराखंड के सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों के सैकड़ो पद रिक्त है। उत्तराखंड राज्य बनने के बाद इस राज्य की जनता को आशा थी कि यहां की स्थानीय सरकार और जनप्रतिनिधि सरकारी शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन लाने का कार्य करेंगे, लेकिन जनता को आज तक निराशा ही हाथ लगी है। चीन सीमा क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य तथा उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायती राज संगठन के प्रदेश संयोजक जगत मर्तोलिया ने उत्तराखंड विधानसभा की अध्यक्ष श्रीमती रितु खंडूरी को ईमेल के माध्यम से एक पत्र भेजकर एक नई मांग उठा दी है। उन्होंने कहा कि चॉकलेट मीटिंग, सामुदायिक पुस्तकालय तथा क्षेत्रीय महापुरुषों की जयंती के अवसर पर उन्हें विद्यालयों में जाने का अवसर प्राप्त हुआ।

❑विधानसभा अध्यक्ष को भेजा प्रस्ताव

उन्होंने बताया कि सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से बातचीत करने पर ज्ञात हुआ है कि सरकारी विद्यालयों में 70 से 80 प्रतिशत पद रिक्त चल रहे है। उन्होंने कहा कि राज्य बनने के बाद किसी भी सरकार ने सरकारी शिक्षा व्यवस्था को पटरी में लाने के लिए कोई प्लानिंग नहीं बनाई। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की विधानसभा अध्यक्ष होने के नाते श्रीमती रितु खंडूरी को यह प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष से यह अनुरोध किया गया है कि वह स्वयं विधानसभा के आगामी सत्र में ये प्रस्ताव लाकर उत्तराखंड की जनता को एक उपहार दें कि विधायक निधि की समस्त धनराशि से उत्तराखंड के सरकारी विद्यालयों में रिक्त पदों के सापेक्ष गैस फैकल्टी को रखा जाएगा।

विधायक निधि बनी कार्यकर्ता निधि

पिथौरागढ़। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि प्रदेश में विधायक निधि कार्यकर्ता निधि बन गयी है। आज यहां जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने उत्तराखंड के 70 विधायकों से सवाल किया कि अगर 24 वर्षों में विधायक निधि से किसी भी विधायक ने कोई नवाचार किया है, तो वह अपनी सक्सेस स्टोरी को सार्वजनिक करें। उन्होंने कहा कि विधायक निधि का प्रयोग केवल कार्यकर्ताओं की सेवा के लिए हो रहा है। इसलिए यह विधायक निधि कम कार्यकर्ता निधि ज्यादा हो गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के विधायकों को स्वयं आगे आकर इस विधायक निधि से सरकारी विद्यालयों में गेस्ट टीचर रखने की पहल करने के लिए आगे आना चाहिए।

धर्मनगरी में युवती का शव मिलने से सनसनी

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार में आज सुबह एक युवती का शव मिलने से हड़कंप मच गया है। आज सुबह हर की पैड़ी क्षेत्र में मनसा देवी मंदिर के पास झाड़ियों में युवती का शव मिला है। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है। वहीं पुलिस द्वारा युवती की शिनाख्त करने के प्रयास किया जा रहे हैं। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने जानकारी देते हुए बताया कि मनसा देवी मंदिर के पास के एक दुकानदार ने आज सुबह सूचना दी कि जंगल में एक अज्ञात युवती का शव पड़ा हुआ है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंच कर देखा तो पाया कि मनसा देवी पैदल मार्ग से लगभग 20-30 मीटर नीचे खाई में एक युवती का शव पड़ा हुआ है। युवती की उम्र लगभग 25 वर्ष बतायी जा रही है। बहरहाल पुलिस ने युवती के शव को खाई से निकाल कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी हैं वहीं पुलिस द्वारा उसकी शिनाख्त के प्रयास किये जा रहे हैं। वहीं स्थानीय लोगों को कहना है कि युवती की मौत संदिग्ध है।

रिक्त पड़े पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर शिक्षा मंत्री को भेजा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। डीएवी कालेज में रिक्त पडे शिक्षकों व अन्य पदों पर नियुक्तियों की मांग को लेकर छात्रों ने जिलाधिकारी के माध्यम से शिक्षा मंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां डीएवी कालेज के छात्र संघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व मे छात्र जिला मुख्यालय पर एकत्रित हुए जहां से उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से उच्च शिक्षा मंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

ज्ञापन में उन्होंने कहा कि डीएवी पीजी कालेज में सभी रिक्त पडे शिक्षक पद, तृतीय श्रेणी व चतुर्थ श्रेणी के पद पर जल्द से जल्द नियुक्तियां की जाये ताकि कालेज में भी शैक्षिक कार्य एवंव अन्य कार्य सुचारू रूप से हो सके और कॉलेज की गरिमा पूर्व की भांति बनी रहे।

ज्ञापन देने वालों में सौरभ पोखरियाल, सौरभ सेमवाल, बकुल मखीजा, विदित डोभाल, स्वंय रावत, रमन पंवार, आदित्य राणा, बंटी चौहान, नितिन नेगी, लक्की राणा, शुभम चौहान, दक्ष, समीर, मंथन, अभिषेक आदि मौजूद रहे।

कुंआवाला से शराब का ठेका हटाने की मांग को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। कुंआवाला से शराब का ठेका हटाये जाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

आज यहां कुंआवाला क्षेत्र के ग्रामीण नारी शक्ति सामाजिक संगठन के बैनर तले जिला मुख्यालय में एकत्रित हुए। जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उनका कहना था कि कुंआवाला में दो-दो शराब के ठेके खोले गये हैं। जबकि कुआंवाला में ठेके के समीप सीएमएस नर्सिग कालेज,

प्राथमिक विद्यालय एवं सुप्रसिद्ध लक्ष्मण सिंद्ध पीठ जैसे धार्मिक व शिक्षा के केन्द्र हैं। उन्होंने मांग की है कि उक्त ठेके वहां से हटाये जायें नहीं तो ग्रामीण उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। प्रदर्शन करने वालों में आरती, बबीता देवी, रानी, फूलमती, संजू देवी, मानवती, मुन्नी, पार्वती, जयंती देवी आदि लोग शामिल थे।

एक नजर

फेडरेशन कप 2024 में नीरज चोपड़ा ने जीता गोल्ड मेडल

भुवनेश्वर। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और विश्व चौंपियन नीरज चोपड़ा ने बुधवार रात चल रहे फेडरेशन कप में पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया। चोपड़ा ने 82.27 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। एशियाई एथलेटिक्स चौंपियनशिप में रजत पदक विजेता डीपी मनु ने 82.06 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। उत्तम पाटिल ने 78.39 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। हालांकि एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता किशोर जेना पोडियम स्थान हासिल नहीं कर सके। नीरज ने फाइनल में 82 मीटर थ्रो के साथ शुरुआत की। हालाँकि, डीपी ने अपने पहले प्रयास में 82.06 मीटर के थ्रो के साथ बढ़त बना ली। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता का दूसरा प्रयास फाउल साबित हुआ, हालांकि तीसरे प्रयास में उन्होंने 81.29 मीटर थ्रो के साथ अच्छी वापसी की। हालांकि डीपी मनु अभी भी बढ़त बनाए हुए थे। नीरज ने अपने चौथे प्रयास में 82.27 मीटर की दूरी तक थ्रो कर बढ़त ले ली। मनु अपनी बढ़त वापस हासिल नहीं कर सके और चौथे प्रयास में उन्होंने 81.47 मीटर थ्रो किया और अगले दो प्रयासों में फाउल कर गए। नीरज ने अपने आखिरी दो थ्रो का प्रयास नहीं करने का फैसला किया और शीर्ष पुरस्कार हासिल किया। नीरज 2024 आउटडोर एथलेटिक्स सीजन की अपनी दूसरी प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। उन्होंने पिछले सप्ताह दोहा डायमंड लीग में अपने सीजन की शुरुआत की और 88.36 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

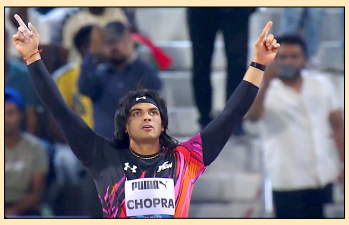

जमीन के नाम पर एक करोड रूपये की धोखाधडी

देहरादून (सं)। जमीन के नाम पर एक करोड की धोखाधडी के मामले में न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सर्कुलर रोड निवासी बलवन्त सिंह ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसकी पहचान विनोद सिंह रावत निवासी निलाया हिल्स हरिद्वार बाईपास रोड जो कि प्रोपर्टी डीलर का काम करता है।

विनोद ने उसको दून यूनिवर्सिटी के पास दो बीघा भूमि बेचने की बात कहीं जोकि किसी जसवन्त सिंह रावत की भूमि बताया। जिसका सौदा तय होने पर उसने उसको तीस लाख रूपये दे दिये और उसके साथ उससे साढे चार लाख रूपये विनोद सिंह रावत ने फिर लिये। जिसके बाद वह उक्त जमीन की रजिस्ट्री करने के लिए टाल मटोल करने लगा। जिसके बाद जब उसने पैसा वापस का दबाव बनाया तो विनोद ने उसको बताया कि उसका कुंआवाला के पास फ्लैट है वह उसको 70 लाख रूपये में बेच रहा है वह ले लो जिससे उसके पुराने पैसे भी एडजस्ट हो जायेंगे। इसी प्रकार विनोद ने उससे जमीन व फ्लैट के नाम पर एक करोड रूपये लिये और उसको ना तो जमीन दी और ना ही फ्लैट का कब्जा दिया। उसने जब उससे अपने रूपये मांगे तो उसने उसको जान से मारने की धमकी दी। न्यायालय के आदेश पर डालनवाला कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नकली पुलिसकर्मियों ने क्राइम ब्रांच की रेड बताकर कैफे मालिक से लूटे 25 लाख रुपए

मुंबई। मुंबई में छह लोग खुद को पुलिस अधिकारी बताकर एक मशहूर कैफे मालिक के घर में घुस गए और 25 लाख रुपये लेकर फरार हो गए। क्राइम ब्रांच से होने का दावा करने वाले छह लोग मुंबई के सायन इलाके में एक कैफे मालिक के घर में घुस गए। कथित तौर पर 25 लाख रुपये ले गए। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने इनमें से चार को गिरफ्तार कर लिया है। एजेंसी के अनुसार, शहर के माटुंगा इलाके में एक लोकप्रिय कैफे चलाने वाले शख्स ने पुलिस को बताया कि मंगलवार को छह लोग सायन अस्पताल के पास घर पर आए और कहा कि वे मुंबई क्राइम ब्रांच से हैं। उन्होंने शिकायत का हवाला देते हुए कहा कि हम चुनाव ड्यूटी पर हैं। जानकारी मिली है कि आपके घर में लोकसभा चुनाव के सिलसिले में पैसे रखे हैं। मुंबई में आम चुनाव के पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होना है। इस पर कैफे मालिक ने कहा कि हमारे पास फूड बिजनेस के केवल 25 लाख रुपये कैश रखे हैं और इन पैसों का चुनाव से कोई लेना-देना नहीं है। इसके बाद सभी छह आरोपियों ने वे 25 लाख रुपये ले लिए और कैफे मालिक को केस में फंसाने की धमकी देकर चले गए। इसके बाद कैफे मालिक ने सायन पुलिस स्टेशन से संपर्क किया तो पता चला कि उनके घर पर कोई पुलिसकर्मी नहीं गया था।

बद्रीनाथ धाम में टप्पेबाजी करने वाले अंतर्राज्यीय गैंग के 8 सदस्य गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। श्री बद्रीनाथ धाम में श्रद्धालुओं का ध्यान भटका कर टप्पेबाजी की घटनाएं करने वाले अंतर्राज्यीय गैंग का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने गैंग के आठ सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से एक लाख 55 हजार रुपए की नगदी व 7 मोबाइल फोन भी बरामद किये गये है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना बद्रीनाथ पुलिस को सूचना मिली कि टप्पेबाज गिरोह के कुछ लोग धाम में यात्रियों के साथ टप्पेबाजी करते हुए उनका सामान उड़ा रहे है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने सादे कपड़ों में आम यात्री बनकर तप्त कुण्ड में गस्त लगानी शुरू कर दी। जिसके बाद पुलिस ने इस गैंग के 8 सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया। जिन्होने पूछताछ मे बताया कि वह सभी गोण्डा (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले है। गैंग को मुख्य रूप से दलीप और मुरली नाम के व्यक्ति चलाते है। बताया कि हम सभी लोग देश के अलग-अलग स्थानों पर धार्मिक यात्राओं के शुरू होने पर गिरोह बनाकर उक्त स्थानों पर पहुँच जाते है और फिर आस-पास की धर्मशालाओं या अन्य जगहों पर कमरे किराए पर लेकर रहने लगते हैं। इस दौरान सभी लोग व भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर घूमते रहते हैं,वही मौका देखकर स्नान करने अथवा दर्शन करने वाले यात्रियों/श्रद्धालुओं का ध्यान भटका

❑लाखों की नगदी व कई मोबाइल बरामद

कर उनके द्वारा घाट किनारे रखे गए पैसे, मोबाइल फोन, घड़ियां व अन्य कीमती सामान को चोरी कर लेते हैं। चोरी किये गए सामान को एकत्रित करने के बाद उसे आपस में बांट कर अपने अपने गांव वापस चले जाते हैं। गिरफ्तार लोगों के नाम दलीप कुमार पुत्र मंगीलाल निवासी ग्राम छजवा थाना मोतीगंज तहसील गोण्डा उत्तर प्रदेश, मुरली पुत्र नन्नकू ग्राम पनकसीया थाना मोतीगंज तहसील मनकापुर गोण्डा उत्तरप्रदेश, भगवान दीन पुत्र धासु ग्राम छजवा थाना मोतीगंज तहसील बजिया गोण्डा, धुव्रनारायण पुत्र रामप्रसाद निवासी वेनपुर थाना मनकापुर तहसील व जिला गोण्डा उ.प्र., चिन्तामणी पुत्र रामदेव निवासी ग्राम बेलीपुर थाना मनका गोण्डा उ.प्र., जैकी पुत्र रामकिशन निवासी ग्राम वेलीपुर थाना मनका जिला गोण्डा उ.प्र., देवकी नन्दन पुत्र स्व. रामकुमार निवासी ग्राम मल्लिपुर थाना मनकापुर जिला गोण्डा उ.प्र. व धर्मेन्द्र पुत्र राजकुमार निवासी ग्राम जिगना बाजार थाना मनकपुर जिला गोण्डा उ.प्र. बताये जा रहे है। जिनके पास से टप्पेबाजी कर उड़ाये गये 1 लाख 55 हजार की नगदी व सात मोबाइल फोन भी बरामद किये गये है। बहरहाल पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

महिला ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

देहरादून (सं)। गत देर रात्रि पुलिस कंट्रोल रूम क माध्यम से पटेलनगर कोतवाली पुलिस को एक महिला द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने तथा परिजनों द्वारा उपचार के लिए दून अस्पताल ले जाने की सूचना मिली। जिसके बाद पुलिस दून चिकित्सालय पहुंची जानकारी करने पर महिला पहचान पूजा शर्मा पत्नी धर्मेन्द्र शर्मा निवासी कृष्णा एन्क्लेव चंद्रबनी के रूप में हुई। परिजनों द्वारा बताया गया कि मृतका अपने पति व दो बच्चों के साथ उक्त मकान में किराये पर रहती थी तथा घटना के समय घर पर अकेली थी। मृतका का पति जब घर पहुंचा तो घर का दरवाजा अन्दर से बंद था खिडकी से झांकने पर मृतका छत के पंखे से चुन्नी लगाकर लटकी हुई थी। मृतका के पति व अन्य परिजनों द्वारा दरवाजा को तोडकर महिला को नीचे उतारा और उसे दून चिकित्सालय लेकर आये जहां पर चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हैण्डलूम की दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

संवाददाता

देहरादून। हैण्डलूम की दुकान पर आग लगने से वहां पर रखा लाखों रूपये का सामान जलकर राख हो गया। फायर बिग्रेड ने मौके पर पहुंच काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सुबह पौने छह बजे कोतवाली डोईवाला को सूचना मिली कि देहरादून रोड कस्बा डोईवाला अहमद अली पुत्र अशरफ अली निवासी कुडकावाला की भारत ट्रेडर्स एंड डेकोरेशन के नाम से हैण्डलूम की दुकान में आग लग गयी ह। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक विनोद गुसांई द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए कोतवाली से मौके पर पर्याप्त पुलिस बल रवाना किया गया तथा फायर सर्विस को सूचना दी गयी। मौके पर पुलिस व फायर सर्विस लालतप्पड एवं देहरादून द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए तीन फायर टेंडर की सहायता से आग पर काबू पाया गया। उक्त घटना में दुकान मे रखा सामान, पर्दे, फोम के गददे, मैट आदि जल गये। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुलिस व फायर सर्विस द्वारा संयुक्त रूप से आग बुझाने हेतु की गयी त्वरित कार्यवाही के कारण आग आसपास के प्रतिष्ठान व दुकानों तक नहीं पहुंच पायी। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।